DSSSB TGT & PGT

Part-B

SCHOLAR BATCH

INDIAN ECONOMY

National income

Part -5

LIVE 04-07-2024 08:00 PM

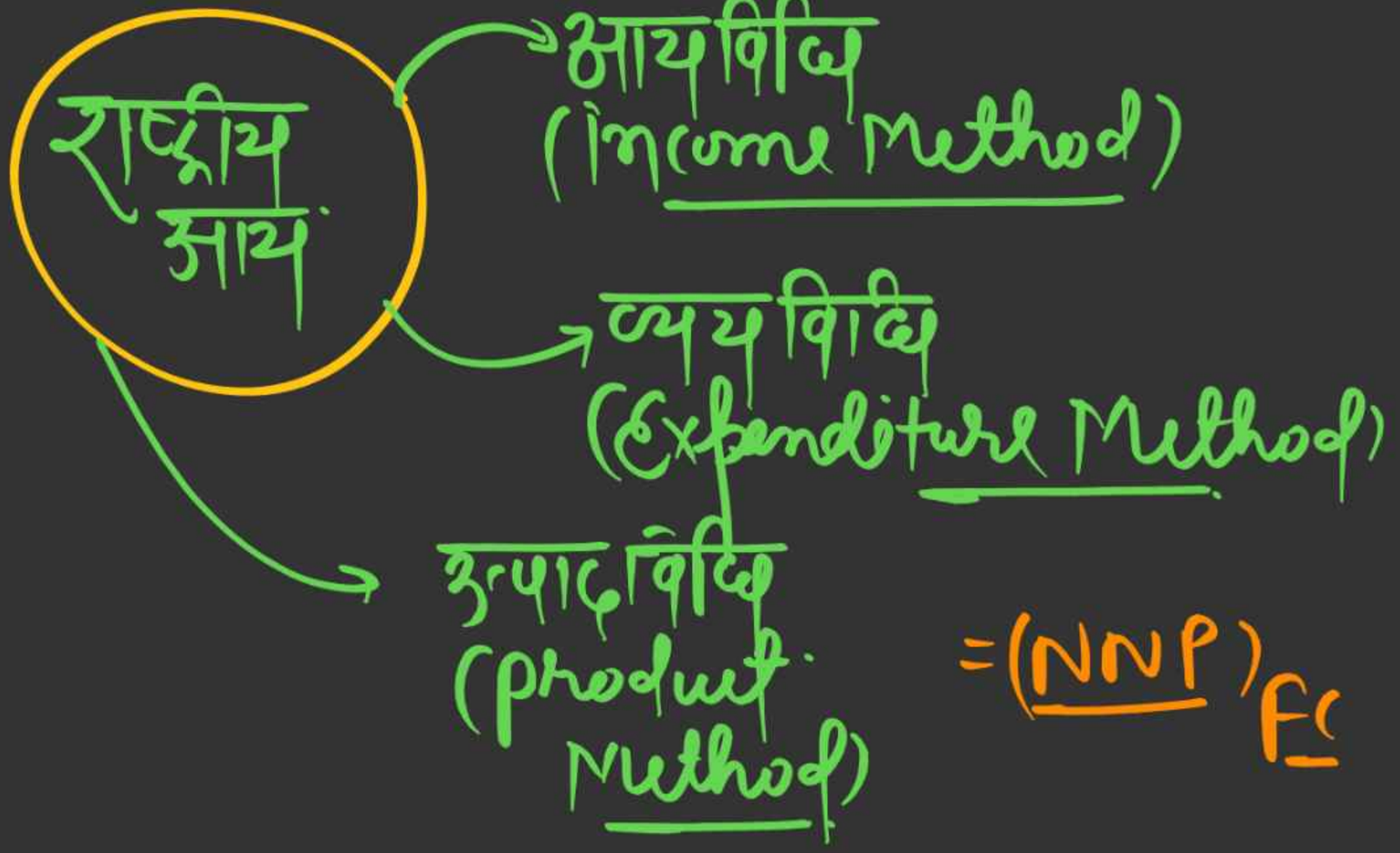
राष्ट्रीय आय
आय विधि (Income Method)
व्यय विधि (Expenditure Method)
उत्पाद विधि (product Method)
= (NNP)FC

राष्ट्रीय आय

राष्ट्रीय आय की गणना

1) उत्पाद विधि (product method)
⇒ 'वस्तु सेवा विधि' भी कहा जाता है।

2) आय विधि (Income method)
⇒ उत्पादन के समस्त साधनों की आय का योग।
⇒ राष्ट्रीय आय की गणना के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों एवं व्यवसायिक उपक्रमों की कुल आय का योग प्राप्त करते है।

3) व्यय विधि (Expenditure method)
⇒ राष्ट्रीय आय = व्यय + बचत
⇒ कुल आय या तो बचत कर ली जाती है, अथवा व्यय कर दी जाती है।

1) आय विधि :-

राष्ट्रीय आय = कुल लगान (भूमि से प्राप्त आय)
+ कुल मजदूरी (श्रम से प्राप्त आय)
+ कुल ब्याज (पूंजी से प्राप्त आय)
+ कुल लाभ (उद्यमी को प्राप्त आय)

2) उत्पाद विधि :- = राष्ट्रीय आय

i) GDP (Gross Domestic Product) - सकल घरेलू उत्पाद :-
⇒ किसी भी देश के भौगोलिक क्षेत्र के भीतर किसी एक वित्तीय वर्ष में उत्पादित समस्त वस्तुओं एवं सेवाओं के अंतिम मूल्य को GDP कहते हैं।
दोहरी गणना से बचा जा सके।

ii) GNP (Gross National Product) - सकल राष्ट्रीय उत्पाद :-

$$GNP = GDP + X - M$$

X = भारतीयों द्वारा विदेशों में अर्जित आय (Export)
M = विदेशियों द्वारा भारत में अर्जित आय (Import)

District Sir GS

iii) NNP (Net National Product) - निवल राष्ट्रीय उत्पाद :-

NNP = GNP − D

D → मूल्य ह्रास

NNP
- MP — Market price (बाजार मूल्य)
- FC — Factor cost (साधन लागत)

Net National Prod.

e.g. 1 पैकेट Parle Biscuit
- श्रम
- बिजली
- कच्चा माल
- पैकेजिंग

→ 3 ₹ (MP) + GST + कम्पनी का मुनाफा = 5 ₹ (FC)

iv) राष्ट्रीय आय = $NNP_{(FC)}$ साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद ही राष्ट्रीय आय है।

v) प्रति व्यक्ति आय (Per capita income) = $\dfrac{\text{राष्ट्रीय आय } (NNP)_{FC}}{\text{जनसंख्या}}$

भारत में राष्ट्रीय आय की गणना

⇒ सर्वप्रथम 1868 में दादा भाई नौरोजी ने राष्ट्रीय आय की गणना की।

⇒ "पॉवर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल्स इन इंडिया" नामक पुस्तक में इन्होंने 20 ₹/प्रतिव्यक्ति/वर्ष आय का अनुमान लगाया।

⇒ प्रयास
1. शाह और खम्बत
2. फिण्डले शिराज
3. वाडिया एवं जोशी

राष्ट्रीय आय - गणना

⇒ 1931-32 में वी. के. आर वी राव ने वैज्ञानिक विधि से राष्ट्रीय आय की गणना की।

⇒ इन्होंने राष्ट्रीय आय लेखा प्रणाली का विकास किया।

⇒ राष्ट्रीय आय लेखा प्रणाली का जनक = डॉ॰ वी के आर वी राव।

Digvijay Sir

हिन्दू वृद्धि दर :-

⇒ स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लगभग 3 दशक तक 1950 - 1980 तक भारत की आर्थिक समृद्धि दर 3% - 4% तक रही।

⇒ इसे प्रो॰ रामकृष्णन Hindu growth rate कहते हैं।

⇒ केन्द्रीय मंत्री अरूण शौरी इसे समाजवादी वृद्धि दर कहते हैं।

राष्ट्रीय आय से सम्बंधित महत्वपूर्ण संस्थान

① सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय :-

⇒ पहले सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग अलग - अलग थे।

⇒ 15 अक्टूबर 1999 को इन दोनों विभागों का विलय कर दिया गया, उसके बाद ये स्वतंत्र मंत्रालय के रूप में अस्तित्व में आया।

② राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय :- (NSO)

⇒ 23 मई 2019 को CSO और NSSO के विलय से अस्तित्व में आया।

⇒ राष्ट्रीय आय की गणना हेतु उत्तरदायी संस्था।

CSO (Central Statical Comission) :-

⇒ प्रो॰ पीसी महालनोबिस ने कलकत्ता में ISI (भारतीय सांख्यिकी संस्थान) की स्थापना की।

⇒ इन्हीं की अध्यक्षता में राष्ट्रीय आय समिति की स्थापना होती है।

⇒ राष्ट्रीय आय समिति के सिफारिश पर CSO की स्थापना की जाती है, और राष्ट्रीय आय लेखा प्रणाली का ढांचा तैयार किया जाता है।

NSSO (National Sample Survey Organisation) :-

सिफारिश - राष्ट्रीय आय समिति

स्थापना - 1950 (नाम - NSS)

↓

1970 में नाम बदलकर NSSO कर दिया गया।

Economic growth rate

Pro. Radha Krishnan 3.5% Avg. 1950-1980 3 Decade

CSO + NSSO ↓ NSO

23 May 2019

Dr Vijay Sir GS

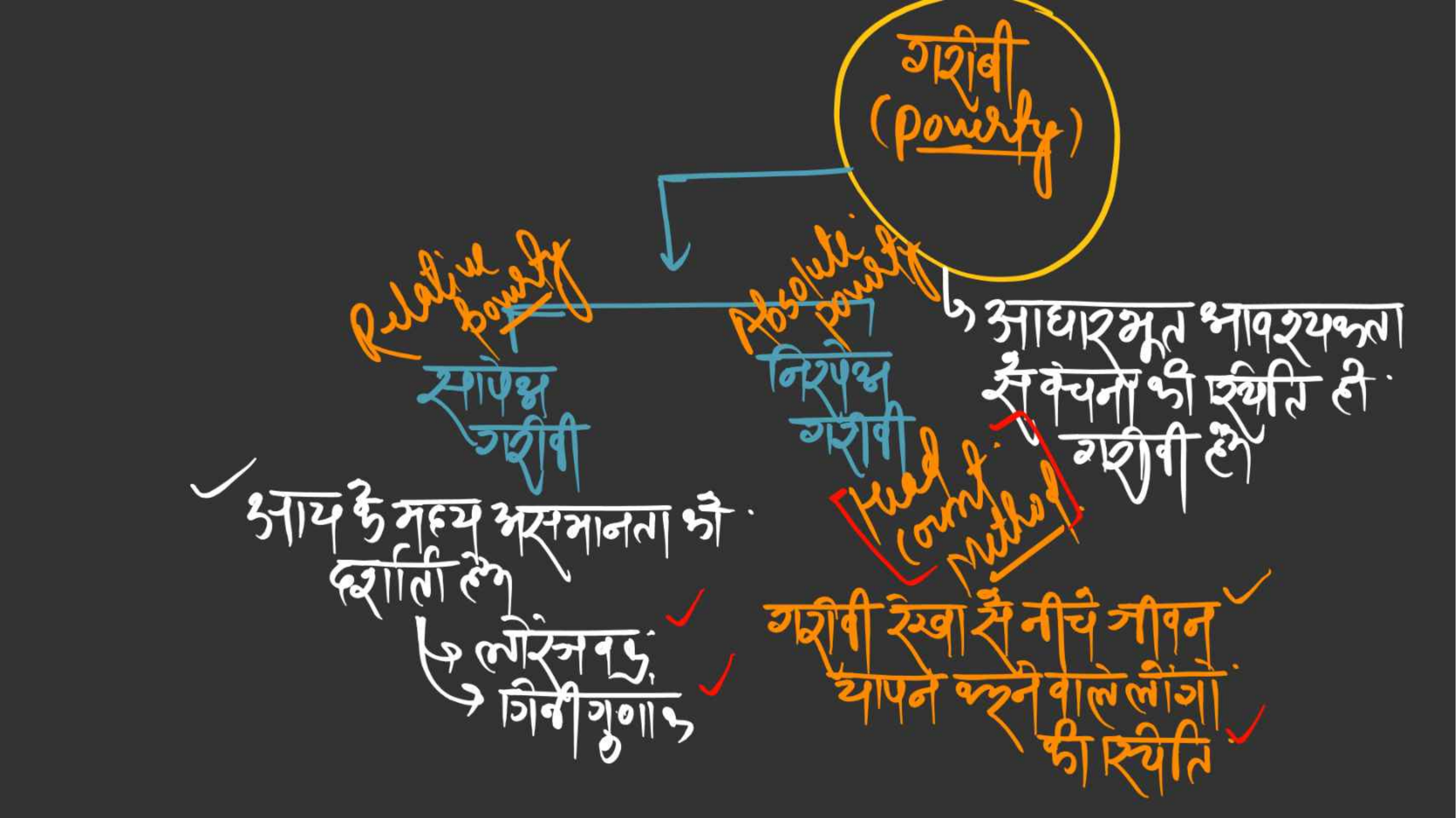

गरीबी (Poverty)

Relative Poverty — सापेक्ष गरीबी

- आय के मध्य असमानता को दर्शाती है।
  - ↳ लोरेंज वक्र
  - → गिनी गुणांक

Absolute Poverty — निरपेक्ष गरीबी

- ↳ आधारभूत आवश्यकता से वंचना की स्थिति ही गरीबी है।
- Head count method
- गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की स्थिति